॥ ॐ ॥ श्री गुरुचरण कमलेभ्यो नमः ॥ 卐 ॥

स्वस्ति श्रीमन्नृप शालीवाहन शक 1948, *** पराभव नाम संवत्सर ***

इसवी सन् 19.03.2026 से 06.04.2027 तक **श्री निखिल चेतना केन्द्र हैदराबाद (तेलंगाणा)**

राशी नाम	नक्षत्र / चरण	क्या करे -	क्या ना करे -	उपासना करे -
1. **मेष**	**अश्विनी** (4 चरण) **भरणी** (4 चरण) **कृत्तिका** (प्रथम चरण)	वर्ष भर तांबे का सुर्य या सिक्का अपने पास रखे। हरीवंश पुराण का पाठ हर महिने मे एक बार करे। विष्णु उपासना करे। "ॐ नमो भगवते नारायणाय " मंत्र जप नित्य करे। रविवार को नमक ना खाये। व्रत रखे। इस राशीवाले प्रत्येक विशेष कार्य पर जाते समय मीठा खाकर जाये।	चरित्र ठीक रखे। कुकर्म ना करे। काले, निले कपड़े ना पहने। चांवल, दुध, चांदी इस वर्ष कदापि दान मे ना ले। इस वर्ष लोहे का या लकडी का व्यापार ना करे। मछली ना खाये, ना शिकार करे।	हर गुरुवार को विष्णु यंत्र पर विष्णु सहस्त्र नाम से तुलसी एवं पुष्प चढ़ाये। कम से कम वर्ष मे बारह गुरुवार तो ऐसा करे। पराभव या हार नही होगी।
2. **वृषभ**	**कृत्तिका** (अंतिम 3 चरण) **रोहिणी** (4 चरण) **मृगशिरा** (प्रथम 2 चरण)	मोती या चांदी तर्जनी उंगली मे धारण करे। शिव जी की उपासना करे। वर्ष मे एक बार गो दान करे। घी, दही, कर्पुर, मोती दान करे। सोमवार का व्रत रखे। नित्य श्रीसुक्त, लक्ष्मी सुक्त का पाठ करे। दुर्गा उपासना करे। पुर्णिमा मे गंगा स्नान करे।	हाथी की दांत की वस्तुये कदापि घर मे या पास मे ना रखे। भिखारी को पैसा दान ना करे। नीले, पिले वस्त्र दान मे ना दे। दुध या पाणी का दान ना करे। अनाथ बच्चों को गोद ना ले, ना साथ दे। अशुभ हो सकता है। इस वर्ष कुंआ या तालाब ना खोदे।	नित्य दुर्गा मंत्र का जाप करे। महीने मे एक बार चण्डी हवन करे। शुभ होगा। अमावस्या को कुमारी पुजन करे। पराभव या अपमानित नही होंगे।
3. **मिथुन**	**मृगशिरा** (अंतिम 2 चरण) **आर्द्रा** (4 चरण) **पुनर्वसु** (प्रथम 3 चरण)	स्त्रीयाँ नाक छिदवाये। अशुभ नही होगा। बुधवार को सफेद वस्त्र पहने। हर पुर्णिमा को दुर्गा सप्तशति का पाठ करे। बुधवार को हिजडों को हरे वस्त्र, हरी चुडियाँ दान करे। बकरी अथवा तोते को वर्षभर पाले अथवा उसकी सेवा करे। साबूत हरे मुंग का दान करे। बुधवार का व्रत रखे। हर प्रकार का शुभ होगा।	रात्री मे दुध कदापि ना पिये। पाणी का दान ना करे। इस वर्ष मकान ना बनाये। जुआँ ना खेले। हाथी दांत घर पर या पास मे ना रखे। चिनी और शहद का व्यापार ना करे। काले कपड़े, लंगडे व्यक्तिओं से दूर रहे। निस्संतान व्यक्ति की सहायता ना करे।	विष्णु सहस्त्र नाम का पाठ हर पूर्णिमा को करे। वर्ष भर एकादशी का व्रत करे। पराभव या अपमानित नही होना पडेगा।

राशी नाम	नक्षत्र / चरण	क्या करे -	क्या ना करे -	उपासना करे -
4. कर्क	**पुनर्वसु** (अंतिम चरण) **पुष्य** (4 चरण) **आश्लेषा** (4 चरण)	इस वर्ष पितृ कार्य करे, उसे टाले नही। इस वर्ष चांदी के बर्तनो मे दुध पिये, पाणी पिये। शुभ होगा। हर शनिवार को वट वृक्ष मे जल चढाये, शांति मिलेगी। माता का सम्मान करे। गरीब कन्या के विवाह मे सहायता करे। नित्य भैरव मंत्र या भैरव स्तोत्र का पाठ करे।	इस वर्ष कांच के बर्तनों मे कभी दुध या पाणी ना पिये। दुध ना बेचे। झुठी गवाही ना दे। किसी की अमानत अपने घर मे ना रखे। बाहर कही आग लगी हो तो उसको बुझाने की कोशिश ना करे। आपको हानी हो सकती है। लड़की का धन अपने प्रयोग मे ना लाये।	नित्य शिव स्तोत्र का पाठ करे। वर्ष मे सोलह (16) सोमवार को पारद या स्फटिक शिवलिंग का अभिषेक पंचामृत से करे, रद्राभि से करवाये। " ॐ नमो भगवते रुद्राय " का एक माला जप करे।
5. सिंह	**मघा** (4 चरण) **पुर्वाषाढा** (4 चरण) **उत्तरा** (प्रथम चरण)	रविवार को नमक ना खाये, स्वास्थ ठीक रहेगा। बाजरा या माणिक रत्न धर्मस्थलो पर दान करे। गुरु को सम्मान दे, गुरु मंत्र का जाप नित्य करे। अंधो को भी खिला दे, भोजन कराये। हनुमान जी की उपासना करे। इस वर्ष चांदि का नाग शिवलिंग पर चढाये। गंगाजल से शिवाभिषेक करे।	शराब का सेवन ना करे। विशेष कर रविवार को ना करे। मछली ना खाये, ना शिकार करे। सफेद वस्तुओं का दान इस वर्ष नाले। निले व काले कपड़े कदापि ना पहने। स्त्रीयों या बड़ों का मजाक ना करे। हानी हो सकती है। स्त्री से इस वर्ष दान कभी ना ले।	हर रविवार को सुर्य अथर्वशिर्ष या आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करे। " ॐ ह्रीं घृणि: सुर्य्याय आदित्याय नमः " इस मंत्र का पाठ नित्य करे।
6. कन्या	**उत्तरा** (अंतिम 3 चरण) **हस्ता** (4 चरण) **चित्रा** (प्रथम 2 चरण)	पुजा के स्थान मे दुर्गा यंत्र रखे। दुर्गा मंत्र का नित्य जाप करे। मस्तक पर केशर का तिलक करे। गणेश पूजन एवं गणेश मंत्र का नित्य जप करे। कष्ट आने पर कुमारी पुजन अवश्य करे। चांदी की जंजीर गले मे धारण करे, शांति मिलेगी। गौ पालन करे। सम्मान बढ़ेगा, संतती को लाभ होगा।	अंडे एवं मांस का सेवन ना करे। हरे रंग की वस्तुओंका दान ना ले। फकीर या साधु से कोई ताविज ना ले। घर पर या प्लाट पर तुलसी का पेड ना लगाये। पुजा का स्थान बार बार ना बदले। तोता, बकरी ना पाले। हरे रंग को प्रयोग मे ना लाये।	गणेश अथर्वशीर्ष का पाठ नित्य करे। गणेश मंत्र का नित्य जाप करे। चतुर्थी को मोदक का नैवद्य गणेश जी को अर्पण करे, दुर्वा चढाये। सम्मान मिलेगा, पराभव नही होगा।

राशी नाम	नक्षत्र / चरण	क्या करे -	क्या ना करे -	उपासना करे -
7. तुला	**चित्रा** (अंतिम 2 चरण) **स्वाति** (4 चरण) **विशाखा** (प्रथम 3 चरण)	दो किलो आलु हल्दी से पिले कर के गाय को खिला दे। काली या लाल गाय की सेवा करे। कामधेनु मंत्र का नित्य जाप करे। लक्ष्मी सुक्त का पाठ नित्य करे। शुक्रवार को श्रीसुक्त का पाठ कर कुमारी कन्या को दुध पिलाये। स्वास्थ के लिये शुक्रवार को गायत्री मंत्र का जप कर के गौमुत्र प्राशन करे।	शुक्रवार को गुढ़ ना खाये। घर मे नृत्य, संगीत ना बजने दे। घर मे कुआँ ना खुदवाये। इस वर्ष नशाना करे। दुध, दही और सफेद कपड़े शुक्रवार को दान मे ना ले। पर स्त्री गमन ना करे। दिन मे समागम ना करे। अपमानित होना पड़ेगा।	नित्य लक्ष्मी सुक्त या लक्ष्मी मंत्र का जप करे। श्रीयंत्र की अंगुठी पहने एवं त्रिपूर सुन्दरी का जप नित्य करे। चांदी का शिवलिंग जेब मे रखे।
8. वृश्चिक	**विशाखा** (अंतिम चरण) **अनुराधा** (4 चरण) **ज्येष्ठा** (4 चरण)	गुरु प्रित्यर्थ चने की दाल, बेसन से बनी वस्तुये, हीरा, सोना आदि मंदिर मे या धर्म स्थल पर या गुरु को दान करे। हांथी दांत घर पर रखे। घर मे पुजा स्थान और शयन के समय मृगछाला का उपयोग करे। मिट्टी के बर्तन में शहद रखकर श्मशान मे गाड दे, निस्संतान को संतान प्राप्ती होगी मंगल चण्डी मंत्र का जाप करे।	फकीर या साधु को घर पर ना बुलाये या उनके साथ ना रहे। चिनी या शहद का व्यापार ना करे। जुआँ ना खेले। मुफ्त मे दुध, चाँवल या सफेद वस्तु दान मे ना ले, विष बन जायेगा, जीवन दुःखी होगा। बेल व लताये के पौधे घर मे ना लगाये।	हनुमानजी की उपासना करे। काली साधना सम्पन्न करे, लाभ होगा। कुमारी पुजन शुभ रहेगा। वर्ष मे एक बार मंगल चण्डी का हवन करे।
9. धनु	**मुला** (4 चरण) **पुर्वाषाढ़ा** (4 चरण) **उत्तराषाढ़ा** (प्रथम चरण)	गुरु की वस्तुयें, पिले कपडे, बेसन के लड्डु, सोना आदि दान करे। हल्दी और केसर का तिलक करे, शुभ होगा। धर्म के नाम पर धन का संग्रह ना करे। पिपल के वृक्ष मे जल चढाये। प्रति दिन मंदिर मे जाकर देवदर्शन करे, शुभ होगा। कुमारी पुजन करे। गणेश मंत्र का नित्य जाप करे।	घर पर तुलसी का पौधा या तुलसी माला ना रखे। गेरुये कपड़े पहने साधु, सन्यासीयों से दूर रहे। चांदी का शिवलिंग साथ मे रखे। शराब ना पिये। किसी को धोका ना दे। झुठी गवाही ना दे। गले मे तुलसी की माला धारण ना करे।	पितृओं को तृप्त रखे, श्राद्धादि को ना भूले। गुरु यंत्र धारण कर, गुरु मंत्र का इक्किस माला नित्य जप करे। गुरु पादुका पंचक नित्य पढे। गुरुवार को एक समय भोजन करे।

राशी नाम	नक्षत्र / चरण	क्या करे -	क्या ना करे -	उपासना करे -
10. **मकर**	**उत्तराषाढ़ा** (अंतिम 3 चरण) **श्रवण** (4 चरण) **धनिष्ठा** (2 चरण)	भैरव उपासना करे। गुरुवार को एक समय भोजन करे। पद्मावती देवी की उपासना करे। लक्ष्मी नृसिंव्ह मंत्र का जाप नित्य करे। काली गाय की सेवा करे। दस नेत्रहीनों को वर्ष मे एक बार भोजन कराये। पिले वस्त्र गुरु को दान करे।	शराब का सेवन ना करे। परस्त्री गमन ना करे। हरे रंग का प्रयोग इस वर्ष ना करे। रात्री मे दुध ना पिये। काले रंग के वस्त्र इस वर्ष धारण ना करे। सांप को ना मारे। स्त्री के द्वारा दिया हुआ दान स्विकार ना करे।	नित्य काल भैरव अष्टक पढ़े। अमावस्या को भगवान क्षेत्रपाल को कुमडे की बली प्रदान करे। नित्य श्रीलक्ष्मी नृसिंव्ह करावलम्बन स्तोत्र का पाठ करे या "ॐ क्ष्रौं नमो भगवते नारसिंहाय" इस मंत्र की एक माला जप करे।
11. **कुंभ**	**धनिष्ठा** (अंतिम 2 चरण) **शततारका** (4 चरण) **पूर्वाभाद्रा** (प्रथम 3 चरण)	शनिवार को हनुमान चालिसा का पाठ करे। बजरंग बाण का पाठ करे। वट वृक्ष के जड मे दुध चढ़ाये। शनिवार को उसके जड की मिट्टी का तिलक करे। कष्ट काल मे लक्ष्मी नृसिंव्ह करावलम्बन स्तोत्र का पाठ करे। काले कुत्ते को रोटी खिलाये। सांप के मुर्ति को दुध से अभिषेक करे। सर्प सुक्त का पाठ करे।	काली या दो रंगी भैस को ना पाले या ना सेवा करे ना उसका दुध स्वयं के लिये उपयोग मे लाये। सांप को ना मारे। रात्री मे दुध ना पिये। हरे रंग का प्रयोग ना करे। काले रंगके वस्त्र धारण ना करे। मस्तकपर सरसोंका तेल ना लगाये। ऐसा होने पर दुध या दही का तिलक करे।	गणेश एवं हनुमान उपासना अवश्य करे। बजरंग बाण या पंचमुखी हनुमान मंत्र का नित्य जाप करे। गुरु पादुका पंचक का पाठ करे। गुरु उपनिषद का पाठ करे।
12. **मीन**	**पूर्वाभाद्रा** (अंतिम चरण) **उत्तराभाद्रा** (4 चरण) **रेवती** (4 चरण)	दुर्गा देवी की उपासना करे। वर्ष मे तीन बार चण्डी हवन करवा दे। कुमारी पुजन करे। शनिवारको भैरव मंदिरमे खोपरा, गुढ़ चढ़ाये। भैरवाष्टक एवं पंचमुखी हनुमान की उपासना करे। गुरु मंत्र की नित्य इक्कीस माला जप कर पिले फल का नैवद्य अर्पण करे। सोना गुरु को अर्पण करे।	हाथी दांत घर पर ना रखे। शनि की वस्तुये ताले मे बंद करके ना रखे। काले कपड़े ना पहने। निस्संतान से भूमी ना खरीदे। भांजे, भतीजे एवं बहनों से कुछ भी दान ना ले। सर्प को ना मारे। काले कपड़े पर समागम ना करे।	दुर्गा मंत्र का नित्य जाप करे। गणेश अथर्वशीर्ष का पाठ नित्य करे। भगवान क्षेत्रपाल को हर अमावस्या को कुमडे की बली प्रदान करे। लक्ष्मी नृसिंव्ह करावलम्बन स्तोत्र का पाठ करे। पराभव, अपमान नही होगा।

भवदीय
श्री निखिल चेतना केन्द्र हैदराबाद (तेलंगाणा)
मोबाईल - 9391029811, 9849069834.